<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने सीआईआई बैंकिंग संगोष्ठी में पूर्वी भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के बारे में प्रकाश डाला

कोलकाता, 10 सितंबर, 2025

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज कोलकाता में 18वें सीआईआई बैंकिंग संगोष्ठी के दौरान आयोजित "विकसित भारत का वित्तपोषण: पूर्वी क्षेत्र के लिए एक परिप्रेक्ष्य" विषय पर सीईओ के संगोष्ठी में भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूर्वी भारत के रणनीतिक महत्व के बारे में रेखांकित किया।

श्री दास ने बताया कि जुलाई 2025 तक पूर्वी भारत की संस्थापित क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी केवल ~20% थीं , जबकि राष्ट्रीय औसत ~48% है। उन्होंने सौर ऊर्जा, पंप स्टोरेज, बैटरी स्टोरेज और हरित हाइड्रोजन में इस क्षेत्र की अप्रयुक्त संभावना के बारे में भी बताया ।

श्री दास ने ज़ोर देकर कहा कि सुशासन विकास की आधारशिला है, और बतलाया कि इरेडा ने अपने सुशासन ढाँचे को काफ़ी मज़बूत किया है। उन्होंने साझा किया कि अपनी 38 साल की यात्रा के दौरान , इरेडा ने ₹1.63 लाख करोड़ से अधिक का संवितरण किया है, जबकि बट्टे खाते में डाली गई राशि को लगभग ₹135 करोड़ तक सीमित रखा है, जोकि इसकी मज़बूत वसूली प्रक्रियाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "वसूली ज़रूरी है - विकास सुशासन के साथ आना चाहिए। हमारी ताक़त गुणवत्तापूर्ण परियोजना के मूल्यांकन में निहित है, जहाँ हम उन क्षेत्रों में भी विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं जहाँ जोखिम पूरी तरह से ज्ञात नहीं है, जैसे कि ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और सौर ऊर्जा विनिर्माण आदि हैं ।"

उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2030 तक भारत के 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगभग ₹30 लाख करोड़ के निवेश की आवश्यकता होगी, और पूर्वी भारत से ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग, निर्यात और युवा उद्यमिता के बारे में रणनीतिक भूमिका निभाने की उम्मीद है।

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने सतत निवेश के बारे में वैधानिक स्पष्टता प्रदान करने के लिए एक व्यापक हरित वर्गीकरण ढाँचे की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया, जोकि वर्तमान में उन्नत चरणों में है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस्पात और सीमेंट जैसे क्षेत्र हरित ऊर्जा पर तेज़ी से निर्भर होंगे, और कंपनियों को मापनीय सतता प्रगति प्रदर्शित करने के लिए ईएसजी रिपोर्टिंग को भी मज़बूत करना होगा।

इरेडा की भूमिका पर विचार करते हुए, उन्होंने कहा कि , "हम भारत की सबसे बड़ी हरित एनबीएफसी हैं, जिसने 30 गीगावाट से अधिक की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का वित्तपोषण किया है। एमएनआरई और इरेडा के इरादे, शक्ति और भावना के साथ, हम सतत विकास को निरंतर गति देते रहेंगे, उभरती प्रौद्योगिकियों को जोखिम मुक्त बनाएंगे और विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत की यात्रा का समर्थन करेंगे।"